UFO
CINE MEDIA NETWORK

Publication: Navbharat Times
Date: 26/07/2020

NBT
नवभारत टाइम्स

अनलॉक फेज 3 में सिनेमाघरों को मिलेगी हरी झंडी?

अगले महीने सिनेमाघर खोलने की हो गई है पूरी तैयारी!

अनलॉक के पहले दो फेज में तमाम सेक्टर्स को खोला जा चुका है। लेकिन सिनेमाघर मालिकों को सिनेमा खुलने के लिए अभी भी अगले महीने लागू होने वाले अनलॉक फेज 3 का इंतजार है। हालांकि अपनी ओर से सिनेमावाले पूरी तैयारियां कर चुके हैं। पेश है एक रिपोर्ट :

PrashantJain@timesgroup.com

Photo for Representation Purpose Only

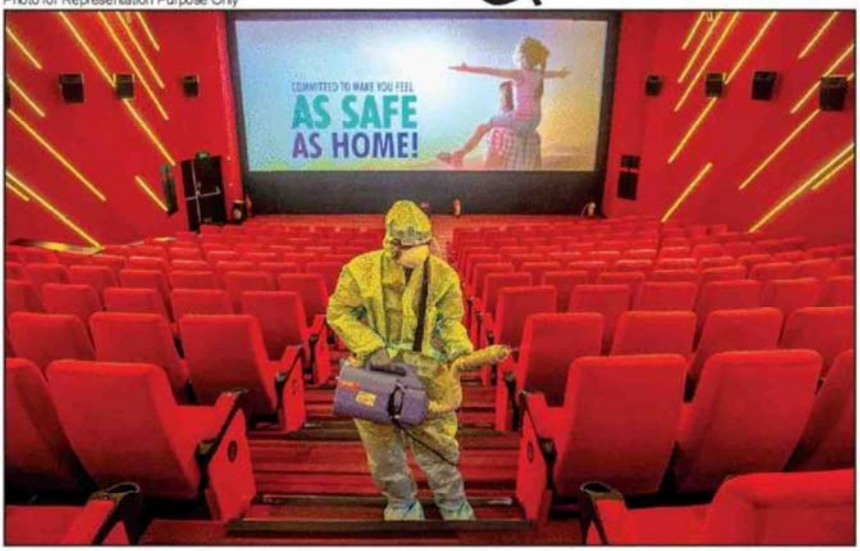

लॉकडाउन के बाद तमाम सेक्टर्स को खोला जा चुका है, लेकिन सिनेमाघर वालों को अभी भी देशभर में सिनेमाहॉल खुलने का इंतजार है। इससे पहले जब केंद्र सरकार ने अनलॉक की गाइडलाइंस की घोषणा की थी, तो उसमें सिनेमाघरों को तीसरे फेज में खोलने की बात कही थी, जो अगस्त में लागू होना है। इसलिए सिनेमावालों की भी उम्मीद बढ़ गई है। माना जा रहा है कि पीएम की सभी राज्यों के सीएम के साथ मीटिंग के बाद सिनेमाघर खुल सकते हैं। इस बारे में पीवीआर सिनेमाज के सीईओ गौतम दत्ता ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि हम सैनिटाइजेशन, पेपरलेस टिकट और दूसरी तमाम चीजों के साथ सिनेमाघर खोलने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।'

'अगले महीने का है इंतजार'

सिनेमा एग्जीबिटर और सिनेमा ओनर अक्षय राठी कहते हैं, 'देशभर में लाखों लोगों का रोजगार सिनेमाघरों से जुड़ा है। इसलिए इन्हें ज्यादा दिनों तक बंद करके नहीं रखा जा सकता। हम लोगों ने अपनी ओर से दर्शकों की सुरक्षा के लिए तमाम तैयारियां कर ली हैं। इसलिए अब सरकार को सिनेमाघरों को जल्द से जल्द खोलने की घोषणा कर देनी चाहिए।' वहीं वेव सिनेमाज के वाइस प्रेजिडेंट योगेश रायजादा कहते हैं कि अनलॉक का तीसरा फेज अगस्त में आना है। इसमें ट्रैवल, स्विमिंग पूल, जिम और सिनेमा को खोलने की प्लानिंग की बात है। हालांकि सिनेमा खोलने से भी ज्यादा महत्वपूर्ण नई फिल्मों का सिनेमा पर आना है। अगर कोई निर्माता अपनी फिल्म को 15 अगस्त के लिए अनाउंस कर दे और अगस्त की शुरुआत में सिनेमा खोल दिए जाएं, तो यह अच्छा रहेगा। सिनेमा खुलने के बाद एग्जीबिटर्स के साथ प्रोड्यूसर्स की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। अगर निर्माता कह दें कि वे बड़ी फिल्म लाने को तैयार हैं, तो सिनेमावालों को भी सिनेमा खोलने में आसानी हो जाएगी।

'उम्मीद है खुलेंगे सिनेमा'

यूएफओ मूवीज के जेएमडी कपिल अग्रवाल पिछले काफी अरसे से सरकार के साथ सिनेमाघरों को खोले जाने के लिए की जा रही मीटिंग्स में हिस्सा ले रहे हैं। कपिल ने बताया, 'अभी सरकार ने ऐसी कोई तारीख नहीं बताई है, लेकिन उन्होंने सिनेमा को अनलॉक के तीसरे फेज में खोलने की बात की है, जो कि अगले महीने आएगा। पिछले दिनों देश की बड़ी मल्टिप्लैक्स चेनों, यूएफओ मूवीज ने अपील की है कि सिनेमाघरों को जल्द से जल्द खोला जाए और पूरे देश के सिनेमाघरों को एक साथ खोला जाए।' उधर पीवीआर पिक्चर्स के सीईओ कमल ज्ञानचंदानी का कहना है कि सरकार जब एयरलाइंस को खोले जाने की परमीशन दे दी है, तो फिर सिनेमाघरों को भी हरी झंडी दे दी जानी चाहिए। ज्यादातर फिल्मों के शोज करीब दो घंटे के होते हैं। उनमें भी हम दर्शकों को एक सीट छोड़कर बैठाने के लिए तैयार हैं। जबकि बात अगर एयरलाइंस की करें, तो वहां पर लोग दो घंटे के सफर में लगातार सीटों पर बैठकर सफर कर रहे हैं। इसलिए अब सरकार को जल्द से जल्द सिनेमा खोलने की इजाजत देनी चाहिए।

> **लाखों लोगों का है रोजगार**
> सिनेमा इंडस्ट्री से देशभर में लाखों लोगों का रोजगार जुड़ा है। फिर सिनेमाघरों को सबसे पहले बंद कर दिया गया था। इसलिए सरकार को इन्हें खोल देना चाहिए। वरना लंबे समय तक बंद रहने के बाद काफी सिनेमा नहीं खुल पाएंगे।
> -अक्षय राठी, एग्जीबिटर

> **हमारी तरफ से सब तैयार है**
> अभी सरकार ने सिनेमा खोलने के लिए कोई तारीख नहीं बताई है, लेकिन उन्होंने सिनेमा को अनलॉक के तीसरे फेज में खोलने की बात की है, जो कि अगले महीने आएगा। हमारी ओर से दर्शकों की सुरक्षा के लिए तैयारियां पूरी हैं।
> -कपिल अग्रवाल, जेएमडी, यूएफओ मूवीज

सूचना और प्रसारण मंत्रालय का सुझाव, अगस्त से खोले जाएं सिनेमाघर

भारत सरकार के सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने केंद्रीय गृह मंत्रालय को सुझाव दिया है कि पूरे देश में अगस्त से सिनेमाघरों को दोबारा खोलने की अनुमति दी जाए। मंत्रालय के सचिव अमित खरे ने यह बात सीआईआई मीडिया कमिटी को हाल ही में बताई है। खरे ने बताया कि उन्होंने सुझाव दिया है कि आने वाले 1 अगस्त से पूरे देश के सिनेमाघरों को खोलने की अनुमति दी जाए, नहीं तो 31 अगस्त तक यह अनुमति दे दी जाए। इसके लिए मंत्रालय ने एक सीट और एक लाइन खाली छोड़कर दर्शकों को बैठाने का सुझाव दिया है और इसे पूरे देश के सिनेमाघरों में सख्ती से लागू किया जाए। गौरतलब है कि कोरोना वायरस फैलने के कारण मार्च के महीने से ही पूरे देश के सिनेमाघरों को बंद कर दिया गया था और तब से ये लगातार बंद ही हैं। खरे ने बताया है कि सूचना और प्रसारण मंत्रालय के सुझावों पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है। हालांकि गृह मंत्रालय की तरफ से अभी तक इस पर कोई जवाब नहीं आया है।